



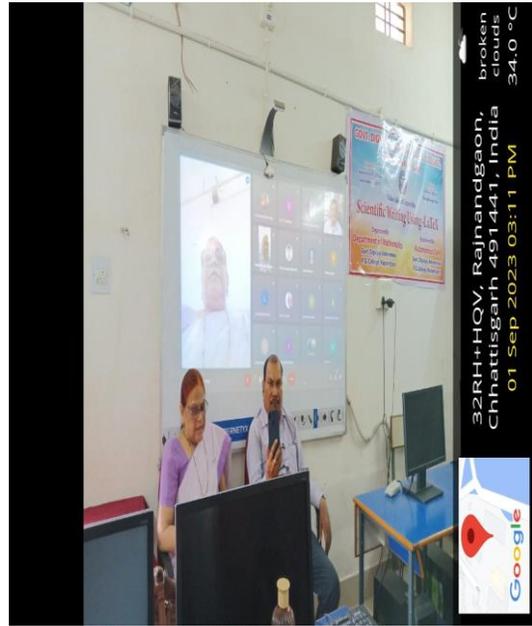
# कार्यालय-प्राचार्य, शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव (छ.ग.)

Web site- [www.gdcr.ac.in](http://www.gdcr.ac.in)

Email: [principal@digvijaycollege.com](mailto:principal@digvijaycollege.com)

☎ : 07744-225036

## गणित विभाग में वैल्यू एडेड कोर्स



शास. दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर के निर्देशन में एवं गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शबनम खान के मार्गदर्शन में गणित विभाग द्वारा साइंटिफिक राइटिंग युजिंग लैटेक्स पर वैल्यू एडेड सर्टिफिकेट प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 1 सितम्बर 2023 से 22 सितम्बर 2023 तक किया जा रहा है जिसके उद्घाटन सत्र में डॉ. के. एल. टांडेकर ने समस्त प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के दौर में साइंटिफिक राइटिंग एक चुनौती भरा कार्य है तथा इस चुनौती से उभरने के लिए उच्च स्तर के ज्ञान व सोच की आवश्यकता है | इस

उद्देश्य के ध्यान में रखते हुए साइंटिफिक राइटिंग युजिंग लैटेक्स पर वैल्यू एडेड सर्टिफिकेट प्रशिक्षण कार्यक्रम गणित विभाग के द्वारा करवाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के कोर्स कोऑर्डिनेटर डॉ. हेमंत साव और डॉ. कविता साकुरे ने बताया कि 30 घंटे के कार्यक्रम में सैद्धांतिक व प्रायोगिक सत्र दोनों ही शामिल हैं जिसमें विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. बलवंत सिंह ठाकुर, प्राध्यापक, गणित विभाग, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, डॉ. आनंदिता चक्रबोर्ती, सहायक प्राध्यापक, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग, भिलाई इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, दुर्ग, **सेंट थॉमस कॉलेज, भिलाई** के साथ एम. ओ. यू. के अंतर्गत डॉ. एस. के. मिरी, सहायक प्राध्यापक, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग, **सेंट थॉमस कॉलेज, भिलाई** , डॉ. चैताली चौधरी, सहायक प्राध्यापक, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग, भिलाई इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, दुर्ग तथा डॉ. राजेश पटेल, सहायक प्राध्यापक, एप्लाइड मैथमेटिक्स विभाग, भिलाई इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, दुर्ग विभिन्न यूनिट पर अपने व्याख्यान देंगे। विभिन्न स्तरों के मूल्यांकन व प्रदर्शन के आधार पर ही सर्टिफिकेट प्रदान किया जायेगा | इस कोर्स के संयोजक डॉ. शबनम खान और सह संयोजक डॉ. के. के. देवांगन ने बताया कि इस कोर्स में विद्यार्थी अपने नियमित डिग्री के साथ कौशल विकास का एक और सर्टिफिकेट प्राप्त करेगा जो कि उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ और यू. जी. सी., नई दिल्ली द्वारा मानी है |